SHRI A. P. SHARMA: I have said that the necessity is there. The site is also suitable. The only difficulty is paucity of funds. I assure the house that as soon as funds are available this question will be taken up.

SHRI BHAGWAT JHA AZAD: Not after ten years I suppose, but very soon.

SHRI A. P. SHARMA. In the next Five Year Plan it should be possible to consider it.

श्री डी० पी० यादव : क्या मंत्री महोदय को इस बात की जानकारी है कि 1972 में ही तत्कालीन परिवहन मंत्री, श्री राजबहादुर, ने लिखित रूप से स्वीकार किया था कि यह ब्रिज सुल्तान गंज में हो, और नेशनल हाईवे उस पर पास हो, अगर हां, तो 1972 से लेकर आज तक इस बारे में क्या कार्यवाही हुई है ? रेल इंडिया लिमिटेड ने सरकार को जो रिपोर्ट सबमिट की है, क्या उसने उसमें इस बात की महत्ता दर्शाई है कि सुल्तान गंज पर इस ब्रिज का निर्माण किए बिना उस क्षेत्र का आर्थिक विकास बिगड़ता जा रहा है, इस लिए उसका निर्माण जल्दी होना चाहिए ?

श्री ए० पी० शर्मा : चाहे श्री राजबहादुर ने एशुरेंस दिया हो या न दिया हो ......

श्री डी० पी० यादव : दिया है ।

श्री ए० पी० शर्मा : माननीय सदस्य मेरा उत्तर सुनें । मुझे इस बारे में नही मालूम है, इस लिए मैंने कहा है कि श्री राजबहादुर ने आश्वासन दिया हो या न दिया हो, इस के औचित्य से सरकार इन्कार नहीं करती है ।

माननीय सदस्य मुझे चैलेंज कर रहे थे । मेरे पास खबर आई है कि श्री राजबहादुर ने कोई कमिटमैन्ट नही किया है । (व्यवधान) मैंने कहा है कि श्री राजबहादुर ने कोई आश्वासन दिया है या नहीं दिया है, यह बात जरूरी नहीं है । जरूरी बात यह है कि इस ब्रिज की आवश्यकता है और इसकी पूर्ति होनी चाहिए । मैं कहना चाहता हूं कि इसकी आवश्यकता है और जैसे ही हमें फ़ंड्ज ऐवेलेबल होंगे, हम इस आवश्यकता की पूर्ति करने की कोशिश करेंगे ।

SHRI HARINATHA MISRA: Is it a fact that the facilities for carrying coal from Chotanagpur coalfields to North Bihar, including the Nepal border have been very inadequate and this is one of the factors why an area inhabited by more than 3 crores of people has remained undeveloped?

SHRI A. P. SHARMA: I agree with the hon. Member. I have already stated that there is necessity, and this necessity will be considered by the Government.

श्री कमल नाथ झा : अभी मंत्री महोदय ने कहा है कि फंड्ज की कमी की वजह से किसी राष्ट्रीय राजपथ का निर्माण करना अभी सरकार की नीति नही है । इस संदर्भ में मैं यह कहना चाहता हूं कि राष्ट्र के हित के लिए यह अत्यधिक महत्वपूर्ण सड़क है । हिन्दुस्तान से हिन्दुस्तान में जाने के लिए 40 किलोमीटर नेपाल होकर जाना पड़ता है । भारत की पलटन जब भारत से भारत मे जाती है या पुलिस जाती है तो उसके हथियार रख लिए जाते हैं और नेपाली झंडे के नीचे निरस्त्र होकर भारतीय पुलिस और सेना को जाना पड़ता है । शायद दुनिया के किसी और राष्ट्र में ऐसा नहीं है । इस लिए मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जहां राष्ट्रीय परिवहन और यातायात के लिए इतनी महत्वपूर्ण आवश्यकता है वहां के लिए क्या सरकार की यह नीति नहीं है कि फंड मुहैया करे और सड़क का निर्माण करे ?

श्री ए० पी० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न जो माननीय सदस्य ने पूछा है इस प्रश्न से नही उठता है । लेकिन मैं इस को एक सुझाव मानता हूं और इस पर हम लोग विचार करेंगे कि क्या कठिनाई है ।

श्रीमती कृष्णा शाही : अभी मंत्री महोदय ने राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को पूरा करने में पासिटी आफ फंडस की वजह से असमर्थता बताई । मैं जानना चाहती हूं कि क्या इस योजना के लिए सरकार ने कोई एस्टीमेट बनाया है कि कितने रुपये की राशि इस पर व्यय होगी जिसके कारण वह इस योजना को पूरा करने में असमर्थ है ?

श्री ए० पी० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने मूल प्रश्न के उत्तर में यह कहा है कि हमारे पास पैसा है ही नहीं इस योजना के लिए या किसी भी और योजना के लिए, इसीलिए हम राष्ट्रीय मार्ग के लिए कोई पैसा खर्च नहीं कर सकते हैं और खास तौर से यह जो सवाल था इसके सम्बन्ध में मैंने कहा कि जैसे ही पैसा हम लोगों के पास अवेलेबल होगा हम उस पर विचार करेंगे ।

Bombay-Aurangabad Railway Line

*148. SHRI RAMKRISHNA MORE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether a survey has been conducted by the Railway authorities for

the construction of broad gauge railway line from Bombay to Aurangabad;

(b) if so, whether any scheme has been formulated by Government; and

(c) if so, when Government propose to commence work on the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) Bombay and Aurangabad are already connected by a BG/MG railway line via Manmad. Work on the convertion of the MG line from Manmad to Aurangabad in the first phase is in progress. No survey has been conducted for construction of a shorter link connecting these places.

(b) and (c). Do not arise.

SHRI RAMKRISHNA MORE: To the best of my knowledge, a survey has been carried out by the Railway authorities in 1976 for the railway line passing through Aane Malshej Hills, Ahmednagar. This line will be extremely beneficial for the tribals and the people from under-developed areas. Will the Government give justice to the tribals from backward areas by taking up this work?

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: I have every sympathy for the tribals. I have already said that Bombay-Manmad is a broad gauge line and Manmad-Aurangabad is a metre gauge line. The total distance is about 350 kms. The first phase of the work covering about 112 kms. at a cost of Rs. 16 crores between Manmad and Aurangabad has been taken up and Rs. 25 lakhs will be spent in the current year and about Rs. 50 lakhs have been earmarked in 1980-81. The work is in progress.

SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL: I would like to know from the Minister whether the work of conversion of the metre gauge line between Manmad and Aurangabad into broad guage, which was started two years before, has been stopped for some time. It is a link between Bombay and Aurangabad. Now it takes more time to reach Bombay from Aurangabad than from Bhusawal, although the distance is the same. The conversion work of Manmad-Aurangabad line was stopped according to my information and I would like to know whether it is being restarted again.

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: As I have already explained, the first phase of the work is already on hand and in the current year Rs. 25 lakhs are being spent and in 1980-81, an outlay of Rs. 50 lakhs has been provided. The work is in progress. The question of work being stopped does not arise.

SHRI S. B. CHAVAN: Is the hon. Minister aware of the fact that there is a terrible pressure on the Ghat section between Manmad and Bombay and that is why an alternate Ghat section was investigated before for joining Parle Baijnath via Ahmednagar-Kalyan and. if so, what is the position?

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: I do not have those particulars. If a separate question is put, I will give the information.

खलीलाबाद-बलरामपुर रेल लाइन

*149. श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग बहुत समय से खलीलाबाद-बलरामपुर रेल लाइन बनाने की मांग कर रहे हैं ;

(ख) क्या उक्त रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य भी पूरा हो गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उस पर निर्माण कार्य कब तक आरम्भ हो जायेगा ?